

खबर संक्षेप

4 ग्राम हेरोइन समेत युवक गिरफ्तार
बहादुरगढ़। थाना लाइनपार पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नाहरा-नाहरी रोड स्थित फ्लाईओवर के नीचे से विकास नगर निवासी संदीप कुमार को 4 ग्राम स्मैक/हेरोइन समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिलने के बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को काबू किया। नियमानुसार राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में तलाशी के दौरान उसके पास से थैली में 4 ग्राम स्मैक/हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने नशीला पदार्थ कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ धारा 21 एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अवैध पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस समेत काबू
बहादुरगढ़। थाना आसौदा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रोहद-दहकोरा फ्लाईओवर के पास से जसोरा खेड़ी निवासी मोनू उर्फ अनूप को अवैध पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार तलाशी के दौरान आरोपी के पास से पिस्तौल और दो कारतूस बरामद हुए। बरामद पिस्तौल पर मेड इन इटली अंकित है। पुलिस ने हथियार व कारतूस कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर-2 से घर के बाहर खड़ी बलेनो कार चोरी
बहादुरगढ़। सेक्टर-2 में मकान के बाहर खड़ी सफेद रंग की बलेनो कार चोरी हो गई। कार मालिक नितिन गावड़िया ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि उसने 17-18 सितंबर की रात करीब साढ़े 8 बजे अपनी कार घर के साइड में खड़ी की थी। सुबह उठकर देखा तो कार गायब मिली। सूचना मिलने पर थाना सेक्टर-6 पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 305 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सिंकरपुर के पास मिला अज्ञात व्यक्ति का शव
झज्जर। शहर के सिंकरपुर बाड़पास पर अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। पुलिस मौके पर पहुंची तथा राहगीरों से मामले की जानकारी लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मामले के जांच अधिकारी प्रवीन ने बताया कि शव की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। इसलिए अभी उसे आगामी 72 घंटे के लिए शवगृह में रखवा दिया गया है।

शादी के दो महीने बाद विवाहिता लापता
बहादुरगढ़। थाना बादली क्षेत्र के गांव बुनिया से एक 23 वर्षीय विवाहिता के लापता होने का मामला सामने आया है। विवाहिता के पति ने पुलिस को शिकायत देकर उसकी तलाश कराने की गुहार लगाई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। योगेश ने बताया कि उसकी शादी 22 जुलाई को बागपत निवासी नैसी से हुई थी। उसकी बीए पास पत्नी 14-15 सितंबर की रात घर से बिना बताए चली गई। परिवर्जनों ने अपने स्तर पर उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने शिकायत के आधार पर धारा 127(6) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी है।

बुनिया से 17 वर्षीय किशोरी लापता
बहादुरगढ़। गांव बुनिया से 17 वर्षीय किशोरी के लापता होने का मामला सामने आया है। उसकी मां ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि उसकी बेटी 18 सितंबर को सुबह करीब 11 बजे बिना बताए घर से चली गई और इसके बाद उसका कोई पता नहीं चला। पुलिस ने शिकायत के आधार पर धारा 137 बीएनएस के तहत केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

लाइनपार में धूमधाम से मनाया गया 9वां गणपति महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

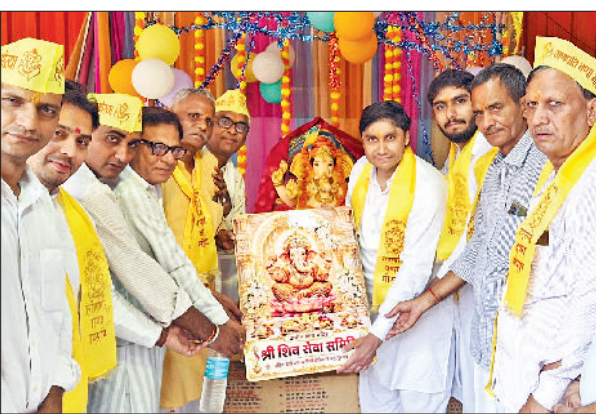
शहर के लाइनपार स्थित पंडित देवीदत्त बगीची में श्री शिव सेवा समिति द्वारा 9वां गणपति महोत्सव श्रद्धा एवं उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। रविवार को कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण खत्री तथा समाजसेवी उमेश खत्री ने शिरकत की। नगर परिक्रमा के बाद प्रतिमा का विधिवत विसर्जन किया गया।

बता दें कि गणपति महाराज की मूर्ति की स्थापना 14 सितंबर को विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई थी। महोत्सव के समापन अवसर पर रविवार को वार्ड-5 के श्रद्धालुओं द्वारा गणपति प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

विसर्जन से पहले परिक्रमा के दौरान गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से गूंजा बहादुरगढ़

इससे पहले श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ नगर परिक्रमा निकाली। इस दौरान गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। श्री शिव सेवा समिति के पदाधिकारियों द्वारा अरुण खत्री तथा उमेश खत्री का फूल-मालाएं पहनाकर, गणपति पटका एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया।

अरुण खत्री ने कहा कि गणपति महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था, संस्कार, सामाजिक एकता और भाईचारे को मजबूत करने का अवसर भी है। उन्होंने श्री शिव सेवा समिति समेत सभी आयोजकों की सराहना की। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को गणपति महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।



बहादुरगढ़। अरुण खत्री को स्मृति चिह्न देते गणेशोत्सव के आयोजक। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पार्षद पति कर्मवीर शर्मा, डॉ. एसके मलिक, रमेश चंद्र देशवाल, कांग्रेस नेता रवि खत्री, कमलजीत छिकरा, कमला खत्री, सुनीता मंजीत पाराशर, देवेन्द्र खत्री, संजय पंडित, कविता खत्री, राजेश तंवर, मनोज मेहरा, पुनीत वशिष्ठ, उमेश कौशिक, उमेश यादव, राजेश धर्मा, कमलजीत छिकरा, उमेश यादव, विनोद भारद्वाज, राजीव वत्स, जगदीश चौजी, महेंद्र कादयान, प्रमोद पुजारी, नवीन वत्स, गोविंद उपाध्याय, अंजू भतेरी, रेखा, राजवंती, गीता, सुनीता, कमलेश, बिमला, मीनाक्षी, बबली, इंदु वत्स, मीना लाटर आदि मौजूद रहे।

गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ

झज्जर। एलए सीनियर सेकेंडरी स्कूल में गणेश महोत्सव के चलते रविवार को भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया, योजित गुलिया व मधिर्य दहिया ने बताया कि जनकराग्य व समाज की सुख-शांति के लिए श्रीगणेश जी की प्रतिमा को गणेश चतुर्थी पर स्थापित किया गया था। शिक्षकों ने गणपति बाप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ का जयघोष भी किया। स्कूल प्रबंधक केएस डागर और प्राचार्य निधि कादियान ने बताया कि भगवान श्री गणेश रिद्धि-सिद्धि के दाता हैं। इनका पूजन सभी देवी-देवताओं में सबसे पहले किया जाता है।

विभाग से मौके का निरीक्षण करवाकर निर्माण सामग्री जांचने की मांग डेढ़ माह में ही उखड़ने लगी नई गली निर्माण की गुणवत्ता पर उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

शहर के चौपटा बाजार से मंडी मोहल्ला होते हुए सिलानी गेट की ओर जाने वाली गली के निर्माण की गुणवत्ता को लेकर गलीवासियों में नाराजगी है। करीब डेढ़ माह पहले ही बनाई गई सीमेंट-कंक्रीट की गली में अभी से कई स्थानों से उखड़ने लगी है। वाहनों की आवाजाही के चलते जहां सड़क पर रोड़ियों के छोटे-छोटे टुकड़े बिखरे हुए नजर आ रहे हैं वहीं कुछ स्थानों पर हल्के गड्ढे भी बनने लगे हैं।

गलीवासियों का आरोप है कि निर्माण के दौरान गुणवत्तापूर्ण सामग्री का इस्तेमाल नहीं किया गया, जिसके कारण इतनी कम अवधि में ही सड़क की स्थिति खराब होने लगी है। गलीवासियों का कहना है कि पहले की गली



झज्जर। चौपटा बाजार की गली जहां से उखड़ रही रोड़ियां। फोटो: हरिभूमि

काफी वर्षों पुरानी होने के बावजूद अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में थी। गलीवासियों की माने तो वे गली निर्माण में ब्लॉक टाइल लगवाना चाहते थे, लेकिन अब इसे सीमेंट कंक्रीट की बना दिया गया है। लोगों के अनुसार संबंधित विभाग के अधिकारियों को मौखिक रूप से

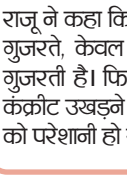
समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने विभाग से मौके का निरीक्षण करवाकर निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और गली के लेवल की जांच कराने तथा खामियां मिलने पर आवश्यक सुधार करवाने की मांग की है।

जहां कमी है उसे दुरुस्त कराए विभाग



रवि गेरा ने कहा कि नई गली बनने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि लंबे समय तक बेहतर सुविधा मिलेगी, लेकिन डेढ़ माह में ही सड़क पर निर्माण सामग्री उखड़ने लगी है। उनका कहना है कि संबंधित विभाग को निर्माण की गुणवत्ता की जांच करवानी चाहिए और जहां कमी है, वहां उसे ठीक करवाया जाना चाहिए।

मार्ग से नहीं गुजरते भारी वाहन, फिर भी सड़क टूटी



राजू ने कहा कि इस गली से भारी वाहन भी नहीं गुजरते, केवल दुपहिया वाहन या ई-रिक्शा ही गुजरती है। फिर भी कुछ माह में ही सड़क की कंक्रीट उखड़ने लगी है। जिसके कारण आमजन को परेशानी हो रही है।

गली का लेवल पहले की तुलना में ऊंचा



अकिल बंसल ने गली के लेवल को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि नई गली का स्तर पहले वाली सड़क की तुलना में काफी ऊंचा है। इसके चलते कई मकानों की दहलीज सड़क के स्तर तक पहुंच गई है, जिससे बारिश के दौरान घरों में पानी जाने की समस्या रहेगी। उनका कहना है कि निर्माण से पहले गली के लेवल का उचित सर्वे किया जाना चाहिए था।

फाउंडेशन ने किया बार पदाधिकारियों का सम्मान
बहादुरगढ़। डॉ. भीमराव आंबेडकर फाउंडेशन सांखोल ने बार एसोसिएशन बहादुरगढ़ के नवनिर्वाचित प्रधान अधिवक्ता विक्रम सिंह छिल्लर और उपप्रधान संजय कुमार का स्वागत एवं सम्मान किया। फाउंडेशन महासचिव प्रदीप तंवर समेत अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का फूलमालाएं पहनाकर, पगड़ी बांधकर तथा अशोक स्तंभ भेंट कर अभिनंदन किया। इस मौके पर फाउंडेशन उपाध्यक्ष रण सिंह तूर, प्रकाश तंवर, सह-सचिव शमशेर नरवाल, मनोज, देवेन्द्र, धर्मवीर, योगेश, मास्टर सुखबीर सरोहा, सुरेंद्र, अधिवक्ता मुकेश तूर, आनंद, अधिवक्ता दीपक, शशि तंवर, देवेन्द्र, सुजल, यश आदि मौजूद रहे।

पुलिस की कार्यशैली पर सीएम नाराज

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

नागरिकों द्वारा पुलिस विभाग की कार्यशैली की शिकायत करने पर सीएम नायब सैनी भी भड़क गए। उन्होंने पुलिस उपायुक्त को फोन लगाकर नाराजगर् जताई और आमजन की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की हिदायत दी। पूर्व पार्षद जसबीर सैनी की अगुवाई में मेन बाजार के दुकानदार संजीव भाटिया, लाइनपार के दीपू सिंह और प्रमिला देवी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि पुलिस-प्रशासन उनकी कोई सुनवाई नहीं कर रहा है। वे पुलिस अधिकारियों के चक्कर काटकर थक चुके हैं। सभी अधिकारियों से संपर्क करने के बाद भी उन्हें न्याय नहीं मिला। इस पर मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए तुरंत झज्जर पुलिस आयुक्त को फोन मिलाया। उन्होंने बहादुरगढ़ से पुलिस प्रशासन के खिलाफ इतनी शिकायतें मिलने पर नाराजगी जाहिर की। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि इन सभी मामलों में तुरंत सुनवाई कर पीड़ितों को न्याय दिया जाए।



बहादुरगढ़। सीएम नायब सैनी से शिकायत करते संजीव भाटिया। फोटो: हरिभूमि

रोहद गांव में 86 पशुओं का हुआ टीकाकरण

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

सूर्या फाउंडेशन की आदर्श गांव योजना के अंतर्गत रोहद गांव में पशु स्वास्थ्य एवं देखभाल के उद्देश्य से पशु टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. रविंद्र द्वारा गांव के 27 परिवारों के कुल 86 छोटे-बड़े पशुओं का टीकाकरण किया गया।

शिविर के दौरान पशुपालकों को पशुओं को विभिन्न बीमारियों से बचाने, समय पर टीकाकरण कराने, पशुओं की साफ-सफाई रखने तथा उनके स्वास्थ्य की नियमित देखभाल के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। पशुपालकों ने भी पशु स्वास्थ्य से संबंधित अपनी समस्याएं साझा कीं और चिकित्सक से आवश्यक परामर्श प्राप्त किया। सूर्या फाउंडेशन के हरियाणा क्षेत्र प्रमुख कवल कुमार ने बताया कि



बहादुरगढ़। गांव रोहद में पशुओं को टीका लगाते पशु चिकित्सक। फोटो: हरिभूमि

फाउंडेशन द्वारा प्रत्येक वर्ष गांवों में पशुओं के स्वास्थ्य एवं देखभाल को लेकर टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस वर्ष भी रोहद गांव में पशुपालक परिवारों तक पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण कराया गया है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ पशु ग्रामीण परिवारों की आजीविका का महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए पशुओं की नियमित देखभाल और समय पर टीकाकरण के प्रति जागरूकता आवश्यक है। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को पशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ पशुपालकों को पशुओं की बेहतर देखभाल के लिए प्रेरित किया गया। मौके पर दीपक, कोमल और विनोद मौजूद रहे हैं।

कैथल में हुई हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप तन्वी राठी ने स्टेट बॉक्सिंग में जीता गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

उभरती हुई बॉक्सर तन्वी राठी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कैथल में आयोजित हुई हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप में लड़कियों की अंडर-17 आयु वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर बहादुरगढ़ का नाम रोशन किया है। अब तन्वी राष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रतिযোগिता के दौरान तन्वी राठी ने 44 किलोग्राम भारवर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए मौजूदा एशियन चैंपियन बॉक्सर को हराकर हरियाणा की टीम में अपनी जगह पक्की की।

बता दें कि तन्वी राठी वर्तमान में बीएसएम बॉक्सिंग एकेडमी में कोच



बहादुरगढ़। तन्वी राठी के साथ कोच गोविंद दलाल। फोटो: हरिभूमि

गोविंद दलाल की देखरेख में कड़ी मेहनत और नियमित प्रशिक्षण कर रही हैं। तन्वी की इस उपलब्धि से उनके पिता जोगेंद्र सिंह समेत पूरा

परिवार खुश है। कोच गोविंद दलाल पिछले कई वर्षों से खिलाड़ियों को बॉक्सिंग की उच्च स्तरीय ट्रेनिंग दे रहे हैं। कुछ समय पहले उनके नेतृत्व में बहादुरगढ़ में पहली बार हरियाणा स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप का भी आयोजन हुआ था।

कोच गोविंद दलाल ने अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए अनोखा संकल्प ले रखा है कि जब तक उससे प्रशिक्षित बॉक्सर भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नहीं खेलता, तब तक वह अपनी दाढ़ी नहीं बनवाएंगी। उन्होंने कहा कि तन्वी राठी की यह शानदार सफलता अन्य युवा खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने और बॉक्सिंग में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा देगी।



बहादुरगढ़। हादसे में घायल हुए हेमराज के साथ उनके परिजन व परिचित।

सड़क हादसे में एक की मौत, दूसरा घायल

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

अचानक गाड़ी का टायर पंक्चर हो गया। दोनों सड़क किनारे गाड़ी खड़ी कर टायर बदलने लगे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही एक आयशर कैटर गाड़ी ने उनकी टाटा 407 को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कृष्ण चंद्र और हेमराज दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से दोनों को शहर के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद कृष्ण चंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं, हेमराज का इलाज फिलहाल ट्रॉमा सेंटर में जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

हैमाचल प्रदेश के रहने वाले कृष्ण चंद्र और हेमराज गुडगांव से अपनी टाटा 407 गाड़ी खाली करके वापस हैमाचल लौट रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ी केएमपी एक्सप्रेसवे पर आसौदा टोल के पास पहुंची,

लघु सचिवालय परिसर में रिटायर्ड कर्मचारी संघ का महापड़ाव 29 को

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन के आह्वान पर रिटायर्ड कर्मचारी संघ द्वारा आगामी 29 सितंबर को उपायुक्त कार्यालय परिसर में 24 घंटे का महापड़ाव डाला जाएगा। धरना प्रदर्शन के बाद प्रशासनिक अधिकारियों के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा। जिला कार्यकारिणी के प्रधान दिलबाग सिंह ने बताया कि इस संबंध में रविवार को पुराना जलघर स्थिति यूनियन कार्यालय में एक सभा का आयोजन किया गया। सभा में ऑडिटर एडवोकेट मंगतराम

इस मौके पर वरिष्ठ उपप्रधान बलबीर सिंह यादव, मास्टर फूल विभिन्न मांगों को लेकर इस महापड़ाव का आयोजन देशभर में किया जाएगा।

झज्जर। सभा में उपस्थित रिटायर्ड कर्मचारी संघ के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

कोशिक ने बताया कि ओपीएस पेशन स्कीम लागू करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर इस महापड़ाव का आयोजन देशभर में किया जाएगा।

इस मौके पर वरिष्ठ उपप्रधान बलबीर सिंह यादव, मास्टर फूल विभिन्न मांगों को लेकर इस महापड़ाव का आयोजन देशभर में किया जाएगा।



कहानी

आशा खत्री 'लता'

आज पूरे पांच दिन बाद सीता अपने कमरे से बाहर निकलने का साहस जुटा पाई। अनमने मन से बरामदे में खड़ी होकर पूरे परिसर पर नजर डालते हुए उसके मन में कोई भाव नहीं था। होता भी कैसे जब जिंदगी में वह हो जाए, जिसकी कल्पना भी न की हो तो बुढ़ापे में सुख-दुःख का एहसास होने को बचता ही क्या है। फिर भी सोच-विचार तो मन का विषय है। तन शिथिल भी रहे तो मन कहाँ रुकता है। शायद तभी तो यक्ष के प्रश्न का उत्तर देते हुए धर्मराज युधिष्ठिर ने सबसे तीव्र गति मन की बताई थी। पूरे परिसर का जायजा लेते हुए सीता ने पाया कि जगह खुली और वातावरण अच्छा है। जब जीवन यात्रा का शेष समय यहीं बिताना है तो इसे ही अपना घर मानने में हर्ज ही क्या है। धीमे कदमों से टहलती हुई सीता कुछ दूरी पर पेड़ों के नीचे लगे बेंचों में से एक पर जा बैठी। वहां लगे पेड़-पौधों को देखकर उसे कुछ-कुछ अपने प्राइमरी स्कूल जैसा अनुभव हुआ। आज से लगभग सत्तर वर्ष पूर्व जब लड़कियों की पढ़ाई की ओर कोई ध्यान ही नहीं देता था, सीता के पिता ने उसे शिक्षित करने की पहल की थी।

‘पिता’ यादों की गहराई में उतरते ही उसकी आंखों से आंसुओं की अविरल धारा बह चली। बचपन में उसके चंचल स्वभाव व घर-घेर में इधर-उधर दौड़ते रहने की आदत से उसे चिड़िया कहकर बुलाते थे। पिता की देखा-देखी दोनों भाई भी उसे ‘चौंची’ चिड़िया उड़के दिखाओ, थोड़े से तो पंख उगाओ’ कहकर छेड़ते। वह उन्हें मारने दौड़ती -‘आने दो पिताजी को तुम दोनों की शिकायत करूँगी। फिर जब तुमसे सारा दिन खेत में काम करवाया जायेगा तो तुम्हें पता लगेगा।’ और वे दोनों कान पकड़कर क्षमा मांगने की स्थिति में दयनीय मुंह बनाकर सटक जाते। पिता उसे चिड़िया कहते तो उसे अक्सर स्वप्न आता कि वह जैसे चिड़िया की भाँति आसमान में ऊँची उठकर उड़ी जा रही है, लम्बी-लम्बी उड़ाने भरती हुई कहीं घबराती, कहीं आर्नान्दत होती मनचाही जगह जाकर उतरती। जगने पर वह उस सुंदर स्वप्न को याद कर दिन भर अभिभूत हुई रहती। पिता ने उसे प्राथमिक स्कूल की अध्यापिका बनाने के लिए दो वर्षीय अध्यापक प्रशिक्षण में दाखिल के साथ ही जोर-शोर से लड़का देखना शुरू कर दिया।

रामरत्न का साथ पाकर सीता के जीवन में अनन्त खुशियों के साथ दो अनमोल रत्न आये। पति-पत्नी दोनों अध्यापक। बच्चे संभालने के लिए घर में सास थी ही। उस संयुक्त परिवार में सीता अपने हिस्से का थोड़ा-बहुत काम कर पढ़ने में लगी रहती। प्राइवेट स्नातक और फिर बी एड कर वह उच्च विद्यालय की शिक्षिका की पात्रता पा गई। बच्चों की अच्छी परवरिश के लिए गाय रख ली। सीता अपने आपको दुनिया की सबसे सौभाग्यशाली स्त्री मानती हुई अपने भाग्य पर इतराती रहती। शिक्षित बेटे, शिक्षित

चिड़िया उड़ गई

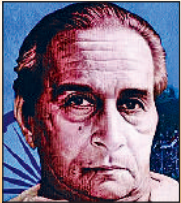
पूरे परिसर का जायजा लेते हुए सीता ने पाया कि जगह खुली और वातावरण अच्छा है। जब जीवन यात्रा का शेष समय यहीं बिताना है तो इसे ही अपना घर मानने में हर्ज ही क्या है। धीमे कदमों से टहलती हुई सीता कुछ दूरी पर पेड़ों के नीचे लगे बेंचों में से एक पर जा बैठी।



बहुएं। घर में छह प्राणी सभी बढ़िया सरकारी नौकरी में। ऐसे परिवार गांव के सम्मानित, संप्रांत परिवार माने जाते हैं। संयोग देखिये दोनों बहुओं ने कुछ माह के अंतराल पर ही बेटियों को जन्म दिया। दो पोतियों की दादी बना सतीता के लिए उतना उल्लासपूर्ण नहीं था, जितना दो पोतों की दादी बनाता होता। फिर भी समय के साथ दोनों दादी के दिल का टुकड़ा बन गई।

समय अपनी गति से चलता रहा। परिवर्तन प्रकृति का नियम है। दिशा-निशा दोनों कॉलेज से आकर अपनी माताओं से पहले दादी के पास आकर बैठती, उनसे दिनभर की बातें साझा करती। उनके छोटे भाई दिनेश-सर्वेश माताओं के लाड़ले हैं। भले ही सीता को उनके जन्म पर पोतों की इच्छा थी परन्तु जो स्नेह उसे दिशा-निशा से हुआ वैसा दिनेश-सर्वेश से न हो सका। खुशी भरे इन सालों में वह चिड़िया के पंख लगाकर ही तो उड़ी और अब दुःख शिकारी के जाल में आ फंसी। हष्ट-पुष्ट रामरत्न को एक दिन बुखार हुआ तो उतरने का नाम ही न लिया। तीन सप्ताह के इस डॉक्टर से उस डॉक्टर तक दौड़ते रहने पर भी वह सीता को बेटों के भरोसे छोड़कर अनन्त यात्रा पर निकल गया। सीता के लिए ये तीन हफ्ते जीवन के पैसठ सालों पर भारी थे। यूं तो सीता पहले भी अंतर्मुखी थी, परन्तु रामरत्न के जाने के बाद तो वह अवसाद में ही चली गयी। ‘माँ खाना खा लो’ सुबह बड़ी बहू कहती। ‘रख दो कामना’ ‘माँ लीजिये खाना’ शाम को छोटी बहू कहती। ‘रख दो भावना’ और ‘खाना कब तक रखा रहता, कब

अगर दो साइकिल सवार सड़क पर एक-दूसरे से टकराकर गिर पड़ें तो उनके लिए यह लाजिमी हो जाता है कि वे उठकर सबसे पहले लड़ें फिर धूल झाड़ें। यह पद्धति इतनी मान्यता प्राप्त कर चुकी है कि गिरकर न लड़ने वाला साइकिल सवार बुजदिल माना जाता है, क्षमाशील संत नहीं।



अपनी लाड़ली पोतियों को सामने देख उसके हृदय में सब कुछ भूल प्रेम का ज्वार उमड़ पड़ा। होंठ मुस्कुराहट से कांपे तो आंखें फिर से डबडबा आयीं, उसे लेने आयीं हैं, इसी खुशी में।

से आकर गाय का गोबर उठाती थी, खेत से चारा लाती थी, सानी करती थी ताकि उसके बेटे गाय के दूध का सेवन कर तेजस्वी बनें। अगले छह वर्ष में बेटे बारी-बारी हर पन्द्रह दिन में एक बार आते। वही औपचारिक मिलन, घर-रसोई का सामान ले आना, आवश्यक बैंक कार्य और विदा। जो घर उसका था, सिर्फ उसका, अब उसके अधिकांश भाग पर किरायेदारों का कब्जा था। अवसाद में डूबी सीता अब कभी-कभी बहुत अधिक बोलने लगती। घर की घुटन से बाहर निकल अड़ोस-पड़ोस में मुखर होती, किरायेदारों से उलझ पड़ती। लोगों को लगता कि उसका दिमाग चल गया है। बेटों के कानों तक बात पहुंचने लगी। उसे समझाया गया परन्तु समझाया तो नासमझ को जाता है। वह तो सब जानती थी, सबको जानती थी। रामरत्न के जाने के बाद उसने इन्हें ही तो पहचाना था।

अंततः अब यह सेवा आश्रम ही उसका अंतिम ठिकाना था। यहां उसे लाया गया था बिना कुछ पूछे, बिना कुछ बताये। ‘काश! पिताजी मैं तेरे आंगन की ही चिड़िया रहती’ बुदबुदाती हुई सीता ने आंसुओं से तर चेहरा चुनरी से पोछा। दोपहर हो गई थी। सूर्यदेव शिखर से प्रचंड आग बरसा रहे थे। वह उठकर कमरे की ओर जाने लगी तो शहतूत के पेड़ के नीचे पड़े पत्थर पर कुछ चिड़िया दाना चुगते दिखी। वह उन्हें दूर से ही निहाराती रही, कहीं पास जाने से ये उड़ न जायें। तभी उसे अपने निकट आते कदमों की आहट सुनाई दी।

‘दादी’ दिशा-निशा दोनों ने एक साथ कहा।

अपनी लाड़ली पोतियों को सामने देख उसके हृदय में सब कुछ भूल प्रेम का ज्वार उमड़ पड़ा। होंठ मुस्कुराहट से कांपे तो आंखें फिर से डबडबा आयीं, उसे लेने आयीं हैं, इसी खुशी में। ‘दादी, कौसी हैं आप’ दिशा-निशा ने उससे लिपटते हुए कहा। ‘अब अच्छी हूँ’ वह फफक पड़ी। दिशा-निशा ने उसे मुश्किल से चुप कराया। फिर वे दादी को लेकर उनके कमरे में आ गयीं। ‘वाव दादी, कमरा तो अच्छा है।’ दिशा ने कहा। ‘पापा कह रहे थे थोड़ा महंगा जरूर है पर कोई कमी या असुविधा नहीं होगी आपको।’ निशा बोली।

वह समझ गयी पोतियां महज औपचारिकता निभाने आयी हैं। कितनी देर क्या बातें हुईं अपने में ही गुम सीता सुन नहीं पायी। आधे घण्टे बाद वह उन्हें विदा कर कमरे में पड़ी कुर्सी पर बैठी तो सामने पत्थर पर दानें चुग रही चिड़ियां एकाएक फुर्र से उड़ गईं। उन्हें उड़ते देख सीता ने दिशा-निशा की दूर जा रही छायाओं को देखा। उसे एक हिचकी आयी और उसकी गर्दन कुर्सी पर एक ओर लुढ़क रही थी। उसी परिसर के किसी कमरे में गीत बज रहा था ‘चल उड़ जा रे पंछी के अब ये देश हुआ बेगाना।’

हरिभूमि

रोहतक, सोमवार, 21 सितंबर 2026

10

पुस्तक समीक्षा

कालजयी पुस्तक है ‘हरियाणा के हिन्दी साहित्यकार’



समीक्षक

मधुकांत

‘हरियाणा के हिन्दी साहित्यकार’ केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि हरियाणा की उस वैचारिक और बौद्धिक चेतना का जीवंत साक्ष्य है, जिसे अक्सर मुख्यधारा के साहित्यिक इतिहास में वह स्थान नहीं मिल पाया जिसकी वह हकदार थी। भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के पावन और ऐतिहासिक अवसर पर इस ग्रंथ का प्रकाशन एक अत्यंत सामयिक और श्लाघनीय कदम है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. लालकव्व गुप्त ‘मंगल’ के कुशल संपादन में तैयार यह ग्रंथ हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला द्वारा प्रकाशित किया गया है। पुस्तक का मुख्य उद्देश्य हरियाणा प्रदेश के महत्वपूर्ण हिंदी रचनाकारों के अमूल्य अवदान को एक स्थान पर संकलित कर उसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित करना है। पुस्तक का अध्ययन करने पर स्पष्ट होता है कि इसका प्राथमिक लक्ष्य हरियाणा में रचित हिंदी साहित्य के अंतर्गत 75 प्रतिनिधि रचनाकारों के कर्तृत्व और



व्यक्तित्व को एक मंच पर लाना था। इस कसौटी पर यह ग्रंथ पूरी तरह खरा उतरता है। इस ग्रंथ की सबसे बड़ी विशेषता इसका बहुविधतामय होना है। यह किसी एक कालखंड या एक साहित्यिक विधा (जैसे केवल कविता या केवल कहानी) तक सीमित नहीं है। इसमें हिंदी साहित्य के लगभग सभी रूपों जैसे काव्य, गद्य-साहित्य, लोक-साहित्य, इतिहास-लेखन, पत्रकारिता और अनुवाद-कला के विविध आयामों को एक साथ समेटा गया है। पुस्तक में महाकवि सूरदास और गोस्वामी तुलसीदास के साथ हरियाणा के गहरे, ऐतिहासिक संबंधों पर जो प्रामाणिक प्रकाश डाला गया है, वह पाठकों और शोधार्थियों के लिए साहित्यिक इतिहास के वाप झरोखे खोलता है। संपादन की दृष्टि से डॉ. लालकव्व गुप्त ‘मंगल’ का अनुभव हर पृष्ठ पर झलकता है। पुस्तक की भाषा-शैली अत्यंत गंभीर, परिमार्जित और तत्समनिष्ठ होते हुए भी बोधगम्य है, जिससे आम पाठक और शोधार्थी दोनों ही बिना किसी उलझन के इसे पढ़ सकते हैं। अपनी प्रामाणिकता, विस्तृत अनुसंधान, विधागत विविधता और समावेशी दृष्टिकोण के कारण यह पुस्तक हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन में एक मील का पत्थर है। यह आने वाली पीढ़ियों, प्राध्यापकों और शोधार्थियों के लिए एक अमूल्य मार्गदर्शिका का कार्य करेगी।

कवि कॉर्नर

कविता विनोद कुमार



हिन्दी की मंदी

राजभाषा की कुंडली में गह-नक्षत्र की चाल है, हिंदी की लंबी मंदी में आया सितंबरी उछाल है।

देवनागरी की घोड़ी पर रोमन लिपि सवार है, मातृभाषा से अधिक हो रहा आंग्ल भाषा का सत्कार है।

हिंदी पखवाड़े में देखो कार्यशाला और सेमिनार है, सरकारी दफ्तरों में धूम मची, साहित्यिक गोष्ठियों में चित्कार है।

कहीं निबंध, कहीं भाषण है, कहीं पुरस्कारों की बहार है, सितंबर में हर तरफ चल रही हिंदी सेवा की बहार है।

चिंता है, चिंतन है, हिंदी पर खूब मंथन है, पखवाड़े में हिंदी-हिंदी, बाकी दिनों में अंग्रेजी की बहार है।

कॉलेज से लेकर कोर्ट तलक जब अंग्रेजी का मायाजाल है, हिंदी को अपनाईं कैसे? यही सबसे बड़ा सवाल है।

दोहे

नरेन्द्र कुमार



जैसे को तैसा

प्रकृति के साथ तुमने, जो जुलूम किया था । जीते जी जानवरों का , जो खून पीया था ॥

जंगल झाड़ू को तुमने , जो नाश किया था । इस आसमान को तुमने , जो धुआं दिया था ॥

ये सब उसी का परिणाम, तुम मर रहे हो । अपनी करनी अपने आप , अब भुगत रहे हो ॥

खिन जुर्म के कैदी सा , जीवन जी रहे हो । अपने घर में डर-डर के, जहर पी रहे हो ॥

छोटे से कण ने क्या ? कोहराम मचाया । वो एटम बम भी किसी के , ना काम आया ॥

जोड़ -जोड़ धर राख्या , वो भी ना खया । घर से बाहर निकलते ही , मौत का साथ ॥

हे भगवान ! ये तेरी , कैसी माया है ? कई दिन में नरेन्द्र की , समझ में आया है ॥

हुड़दंग से आंसू बहाता लोकतंत्र



व्यंग्य

आसिम अनमोल

इन दिनों सच और झूठ का सबक बड़े ही कलात्मक ढंग से सिखाया जा रहा है। जेन जी के साथ संवाद करने की कला को वाई के आकार के बने रैंप पर चलकर युवाओं के दिलों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। देश की सियासत महंगाई और विकास के नाम पर भली ही टाटा, बाय-बाय कर ले। लेकिन लोगों के दिलों तक पहुंचने का रास्ता इतना चमकदार और मजबूत होना चाहिए। लोग बातों में ही खोए रहें, और बहकते रहें। हमारे देश में जो दिखता है वही बिकता है। इसी तर्ज पर भारतीय राजनीति में जितना शाब्दिक हुड़दंग होगा, उतना ही राजनीति करने वालों के प्रति लोग आकर्षित नजर आएंगे ।

इस हुड़दंग से एक चीज तो बिल्कुल साफ़ हो जाती है कि अगर किसी को राजनीति सीखकर कामयाबी के शिखर को छूना हो तो कोई हमारे यहां की राजनीति में आ सकता है। सीखने के लिए कोई चार्ज नहीं लगता है। बस हुड़दंग करने की आपके अंदर कुव्वत और राजनीतिक कला होनी चाहिए। क्योंकि हुड़दंग और कलात्मक ढंगों के बिना न ही आप राजनीतिक सफर को आगे बढ़ा

इस हुड़दंग से एक चीज तो बिल्कुल साफ़ हो जाती है कि अगर किसी को राजनीति सीखकर कामयाबी के शिखर को छूना हो तो कोई हमारे यहां की राजनीति में आ सकता है। सीखने के लिए कोई चार्ज नहीं लगता है। बस हुड़दंग करने की आपके अंदर कुव्वत और राजनीतिक कला होनी चाहिए। क्योंकि हुड़दंग और कलात्मक ढंगों के बिना न ही आप राजनीतिक सफर को आगे बढ़ा सकते हैं और न ही मीडिया की नजर में आप राजनीति में कामयाब होने का परसेंटेज बढ़ा सकते हैं।

सकते हैं और न ही मीडिया की नजर में आप राजनीति में कामयाब होने का परसेंटेज बढ़ा सकते हैं। राजनीति में हुड़दंग बड़ी ही मुफीद चीज है साबित होती है। जब तक हुड़दंग नहीं होगा, तब तक हाई कमान के द्वारा तक कोई खास निर्णय नहीं लिए जाएंगे। इसलिए राजनीतिक हुड़दंग कभी भी आम ईंसान को मयसर नहीं होती । न ही उसको हाई कमान की तरफ से चुनाव लड़ने के

लायक समझा जाता है। जो हुड़दंग करके सैकड़ों-लाखों की भीड़ इकट्ठा करने में सक्षम होता है। उसको ही मैदान में धकेला जाता है। यह हुड़दंग का ही तो कमाल होता है कि हमारे माननीयों द्वारा सदन तक में एक-दूसरे के कपड़े फाड़ने व मेज़ कुर्सी तोड़ने का प्रयास किया जाता है। वो तो गनीमत रहता है कि जिस्म के निचले हिस्से के वस्त्रों ने कभी कोई विरोध की आवाज नहीं उठाई। वर्ना

एक और अजूबा रिकार्ड राजनीति के इतिहास में दर्ज होकर रह जाता। हुड़दंग अपने आपमें कुशल राजनीति करने का अभिन्न अंग बन चुका है। हुड़दंग एक अदना से कार्यकर्ता को भी लाइम लाइट में लाकर विभिन्न चैनलों का बादशाह बना देता है। हुड़दंग ही कभी-कभी जनता को जागरूकता की ओर अग्रसर कर देता है। कभी-कभी सार्थक हुड़दंग से ही सत्ता परिवर्तन हो जाता है। हुड़दंग अगर न होता तो राजनीति की कोई पूछ ही नहीं होती।

राजनीति का प्लेटफार्म हाशिये पर लावारिश पड़ा होता। यह हुड़दंग की ही जरां नवाजी है। जिसने हाथ पैर उछाल-उछालकर, गुला फाड़ फाड़कर राजनीति को एक नामचीन चीज बना दिया । यह हुड़दंग की ही पावर है जो बड़े-बड़े प्रस्ताव को भी मंजूर कराने की हिम्मत रखता है। हुड़दंग ही एक ऐसा पासा है जो राजनीतिक जमीन पर जब पेंका जाता है तो लोकतंत्र भी बेचारा आंसू बहाता नजर आता है।

लघु कथा

दो लिफाफे

सड़क किनारे दो-तीन मूंगफली वाले अपनी-अपनी रेहड़ी लगाए बैठे थे। एक रेहड़ी पर काफी भीड़ थी। जोगिंदर भी उसी ओर बढ़ गया। उन्होंने देखा, लगभग सोलह-सत्रह साल का लड़का तेजी से मूंगफली तौल-तौलकर लोगों को दे रहा था। मूंगफली एक लिफाफे में डालने के बाद वह उसे एक और लिफाफे में रखकर ग्राहक को देता था। जोगिंदर



डॉ. अंजना गर्ग

कहानीकार

का नंबर आया तो उसने पूछा, “एक लिफाफे में डालने के बाद दूसरे लिफाफे में क्यों डालते हो? आजकल दुकानदार तो एक लिफाफा भी बड़ी मुश्किल से देते हैं।” लड़के ने मुस्कराकर लिफाफे की ओर इशारा किया, “साहब, शायद आपने लिफाफे के बाहर लिखा हुआ नहीं पढ़ा।” जोगिंदर ने लिफाफा देखा। उस पर लिखा था—

“मूंगफली खाने के बाद कृपया छिलके इसमें डालें। गांठ लगाकर पास के डस्टबिन में डाल दें।” जोगिंदर ने आश्चर्य से पूछा, “लेकिन अगर लोग तुम्हारी बात नहीं मानेंगे तो?” “सभी नहीं मानेंगे, साहब,” लड़का सहजता से बोला, “लेकिन कुछ तो जरूर मानेंगे।” वह थोड़ी देर रुका और फिर बोला, “लोग मूंगफली खाकर टून के डिब्बों में, बसों में, सड़क किनारे और पार्कों में हर जगह छिलके डाल देते हैं। अपना घर साफ रखते हैं, लेकिन बाहर की सफाई को अपनी जिम्मेदारी नहीं समझते। मैंने सोचा, अगर मैं अपनी ओर से छोटा-सा प्रयास करूं तो शायद अपने राष्ट्र के स्वच्छता अभियान में थोड़ा-सा योगदान दे सकूँ।”

जोगिंदर के पास कोई जवाब नहीं था। उसकी नजर फिर उस लड़के पर पड़ी। उसे लगा, हम पढ़े-लिखे लोगों से तो यह अनपढ़-सा लड़का कहीं आगे निकल गया- राष्ट्र की सेवा का अर्थ समझने में।

मोटिवेशनल

हर दिन खुद को कल से बेहतर बनाइये



डॉ. रोहित बंसल

मोटिवेशनल स्पीकर

जीवन में प्रगति करने के लिए निरंतर दूसरों से आगे रहना आवश्यक नहीं है। वास्तविक सफलता तब मिलती है, जब हम प्रतिदिन स्वयं को बीते हुए कल से कुछ बेहतर बनाने का प्रयास करें। संभव है कि आज हम कुछ नया सीखें, अपनी किसी भूल को ठीक करें या किसी गलत आदत को त्यागने का निर्णय लें। ये छोटे-छोटे परिवर्तन ही समय के साथ बड़ा बदलाव लाते हैं!दूसरों की कामयाबी देखकर खुद को छोटा समझना सरल है, परंतु प्रत्येक व्यक्ति का रास्ता अलग होता है। दूसरों से तुलना करने के स्थान पर अपने मार्ग पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। कल हम जहाँ वृ्क गए थे, आज वहाँ थोड़ा बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। कल जहाँ घबरा गए थे, आज वहाँ एक कदम आगे बढ़ सकते हैं। हर दिन का एक छोटा सुधार आपको धीरे-धीरे उस इंसान के करीब ले जाता है, जो आप बनना चाहते हैं।बेहतर होने का अर्थ सदैव बड़ी उपलब्धियाँ पाना नहीं है। कभी-कभी धैर्य बनाए रखना, सही वक्त पर ‘ना’ कहना और अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना भी महत्वपूर्ण है। परिवार को समय देना और स्वयं पर भरोसा रखना भी खुद को सुधारने की दिशा में एक कदम है।इसलिए हर दिन खुद से एक सवाल पूछिए— “आज मैंने खुद को कल से बेहतर बनाने के लिए क्या किया?” याद रखिए, हर दिन की छोटी सी कोशिश ही धीरे-धीरे बड़ी कामयाबी की राह बनाती है।



स्किल्स का संयोजन

■ फ्रेशर्स के लिए बेजुएशन + डिजिटल मार्केटिंग रिक्रस + प्रैक्टिकन नॉलेज + कम्प्युकिेशन रिक्रस का संयोजन उपयोगी हो सकता है। यह रखे कि सर्टिफिकेट आपको एंट्री दिला सकता है, लेकिन आपको रिक्रस और रिजल्ट देने को झुमता आपका करियर आगे बढ़ाती है।

करियर विकल्प

डिजिटल मार्केटिंग की जरूरत आईटी, ई-कॉमर्स, एजुकेशन, बैंकिंग, हेल्थकेयर, रियल एस्टेट, होस्पिटैलिटी, ऑटोमोबाइल, रिटेल और स्टार्टअप सहित कई इंडस्ट्री में है।

■ एसईओ स्पेशलिस्ट – वेबसाइट की सर्व इंजन विजिबिलिटी और रैंकिंग बेहतर करना।

■ गुगल एड्स स्पेशलिस्ट – पेड एडवर्टाइजिंग कैपेन और कन्वर्जन को मैनेज करना। डिजिटल मार्केटिंग में सफल करियर के लिए केवल कोर्स या सर्टिफिकेट पर्याप्त नहीं है। प्रैक्टिकल रिक्रस, लाइव प्रोजेक्ट्स, इंटरनशिप, पोर्टफोलियो और लगातार सीखने की आदत आपको इंडस्ट्री के लिए अधिक जॉब-रेडी बना सकती है।

सैलरी इन इंडिया

डिजिटल मार्केटिंग सैलरी इन इंडिया उम्मीदवार की रिक्रस, अनुभव, लोकेशन, कंपनी और स्पेशलाइजेशन पर निर्भर करती है। फ्रेशर्स आमतौर पर एंट्री-लेवल रोल से शुरुआत करते हैं, जबकि एसईओ, परफॉमेंस मार्केटिंग, गुगल एड्स, एनालिटिक्स और एआई टूल्स में सर्टिफिकेट रखने वाले प्रोफेशनल्स अनुभव के साथ बेहतर अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य शिक्षित सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप Career Jaano पर भी विजिट कर सकते हैं।

नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए टैलेंट हंट कार्यक्रम

श्लोक उच्चारण स्पर्धा में गायत्री रही प्रथम



झज्जर। शिक्षकों के साथ उपरिष्ठित टैलेंट हंट के विजेता प्रतिभागी। फोटो: हरिभूमि

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें अपनी क्षमताओं के प्रदर्शन के लिए मंच प्रदान करना रहा

हरिभूमि न्यूज़ ►► झज्जर

स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन टीचर एजुकेशन की सांस्कृतिक समिति की ओर से नव प्रवेशित बैच 2026-30 के विद्यार्थियों के लिए टैलेंट हंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्राचार्या डॉक्टर संतोष ने बताया कि संस्थान निदेशक डॉक्टर ऋषि गोयल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें अपनी क्षमताओं के प्रदर्शन के लिए मंच प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में भाषण, कविता पाठ, श्लोक उच्चारण, शायरी, एकल एवं युगल गायन तथा एकल एवं युगल नृत्य प्रतियोगिताएं हुईं। भाषण प्रतियोगिता में मधुमुस्कान ने प्रथम, गायत्री ने द्वितीय और रितिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कविता

पाठ में रिया, गायत्री और रिद्धिमा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहीं। श्लोक उच्चारण में गायत्री को पहला स्थान मिला। शायरी में प्रिया ने पहला, आदित्य ने दूसरा और प्रदुष ने तीसरा स्थान हासिल किया। एकल गायन में दिव्या, युगल गायन में दिव्या व श्रीकृष्ण, एकल नृत्य में नंदिनी, सरिता व आलिया तथा युगल नृत्य में सौम्या व मृत्युंजय विजेता रहे। निर्णायक मंडल में डॉ. रीना, डॉ. राजवंती, सारिका, सीमा रानी, डॉ. संदीप, डॉक्टर प्रगत और डॉ. गुरप्रीत शामिल रहे।

नूना माजरा में नमो क्रिकेट लीग का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

गांव नूना माजरा के शहीद राजेश जून स्टेडियम में सुरेश भंडारी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित नमो क्रिकेट लीग का शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव तरुण भंडारी के मार्गदर्शन में झज्जर जिले के सभी मैच भाजयुमो के प्रदेश मीडिया प्रभारी नवीन जून की देखरेख में हो रहे हैं।

लीग के पहले राउंड में बादसा की टीम ने माजरा की टीम को हराया। एमपी माजरा ने चिट्टू क्लब को हराया। बादसा ने लडरावण को हराया। माजरी ने खरमाण को हराया। सिलोटी ने झज्जर को हराया। नवीन जून ने युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान सभी टीमों और खिलाड़ियों ने नशे से दूर रहने तथा अन्य युवाओं को भी नशे से दूर रखने की शपथ ली।



बहादुरगढ़। क्रिकेट खिलाड़ियों को शपथ दिलाते भाजयुमो नेता नवीन जून। फोटो: हरिभूमि

हैंडबाल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा



बेरी। हैंडबाल प्रतियोगिता में भाग लेते हुए खिलाड़ी।

फोटो: हरिभूमि

बेरी। क्षेत्र के गांव डीघल और बरहाणा में हैंडबॉल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में क्षेत्र के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इन आयोजनों का उद्देश्य युवाओं को खेलों से जोड़ने के साथ-साथ उनके अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ जीवनशैली की भावना को बढ़ावा देना रहा। प्रतियोगिता का शुभारंभ कोच देवेन्द्र अहलावत ने किया। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक

विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने से युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित होती है। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास करने तथा खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं गांव बरहाणा में आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ गांव के सरपंच ने किया और खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें खेलों में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 26-27 को

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

शहर के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में 26 व 27 सितंबर को 22वीं जिला झज्जर जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। झज्जर एथलेटिक्स संघ के सचिव भीम अंबाड़ी चरण सिंह राठी ने बताया कि यह प्रतियोगिता 14 से 20 वर्ष के आयु वर्ग के लड़के व लड़कियों की आयोजित की जाएगी। विजेता खिलाड़ी 2 से 4 अक्टूबर तक कुरुक्षेत्र के द्रोणाचार्य स्टेडियम में होने वाली 39वीं हरियाणा राज्य जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेंगे। इवेंट एथलेटिक्स फेडरेशन



ऑफ इंडिया के नियम अनुसार होंगे। प्रतियोगिता में झज्जर जिले का खिलाड़ी ही भाग ले सकता है। खिलाड़ी अपना आधार कार्ड व जन्म प्रमाण पत्र की कॉपी साथ लेकर आएंगे।

डीसीपी मिश्रा को दी यादगार विदाई



बहादुरगढ़। डीसीपी मयंक मिश्रा और एसडीएम अभिनव सिवाच को सम्मानित करते नागरिक। फोटो: हरिभूमि

बहादुरगढ़। उद्योगपतियों, समाजसेवियों और स्थानीय नेताओं द्वारा गत शाम आयोजित कार्यक्रम में मिश्राजी स्थानांतरित हुए डीसीपी मयंक मिश्रा को यादगार विदाई दी गई। साथ ही एसडीएम अभिनव सिवाच के उत्कृष्ट कार्यों के लिए उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक नरेश कौशिक व भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल जांगड़ा ने कहा कि डीसीपी मयंक मिश्रा ने बहादुरगढ़ में अपनी सेवा के दौरान कानून-व्यवस्था और जनसेवा के क्षेत्र में निराला काम किया है, जिसे शहरवासी हमेशा याद रखेंगे। वहीं, एसडीएम अभिनव सिवाच द्वारा जनहित में किए गए बेहतरीन कार्यों और प्रशासनिक दक्षता के लिए उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एसपी प्रदीप खत्री, चैयरमैन विनोद कौशिक, भीम सिंह प्रणमी, मुकेश कौशिक, नरेश भारद्वाज, प्रदीप राठी, विनोद जून, राम अहलावत, नीरज वर्मा आदि ने कहा कि ऐसे कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों की कार्यशैली समाज में सकारात्मक बदलाव लाती है। उन्होंने दोनों अधिकारियों के उच्चतम भविष्य की कामना की।

मेले में उत्कृष्ट सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस अधिकारियों को किया सम्मानित

झज्जर। खानपुर कलां स्थित श्रीजाहरचंदर गोगाजी मंदिर कमेटी द्वारा साल्हावास थाना प्रभारी बलराज व इन्द्रादौ चौकी प्रभारी रणधीप सिंह को मेले में उत्कृष्ट सुरक्षा व्यवस्था के लिए सम्मानित किया है। मंदिर कमेटी प्रधान अतर सिंह ने बताया कि कमेटी सदस्यों ने पुलिस अधिकारियों को पगड़ी बांधकर व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। जन्माष्टमी एवं गोगा नवमी के अवसर पर गांव में दो दिवसीय विशाल मेले का आयोजन किया गया था। मेले में हजारों श्रद्धालु पहुंचे थे। पुलिस प्रशासन ने दिन-रात मुस्तेदी से ड्यूटी निभाते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा। शांति पूर्वक मेला संपन्न कराने के लिए उन्होंने पुलिस अधिकारियों का आभार जताया।



झज्जर। पुलिस अधिकारियों को सम्मानित करते हुए मंदिर कमेटी पदाधिकारी।

33 केवी लाइन का 600 मीटर कंडक्टर चोरी करते 3 पकड़े

बहादुरगढ़। गांव डाबोदा खुर्द के देशलपुर रोड पर पुरानी 33 केवी लाइन से करीब 600 मीटर कंडक्टर चोरी करने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। यूएचबीवीएन बुर्गनिया के एसडीओ की शिकायत के अनुसार 11 सितंबर की शाम बहादुरगढ़ निवासी नवीन, सुमित और हरकिर लाइन का कंडक्टर काटते हुए पाए गए थे। शिकायत के मुताबिक चोरी किए गए कंडक्टर को अनुमानित कीमत करीब 1.20 लाख रुपये है। मौके पर काटा गया कंडक्टर पड़ा मिला, जबकि घटना की सूचना क्षेत्र के जेई को दी गई थी। थाना सदर बहादुरगढ़ पुलिस ने शिकायत के आधार पर धारा 305 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विधायक आदित्य देवीलाल ने दिया सम्मान दिवस रैली का न्योता



झज्जर। जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक आदित्य देवीलाल।

फोटो: हरिभूमि

झज्जर। इन्वेलो की ओर से आगामी 27 सितंबर को वृंह में आयोजित किए जाने वाले ताऊ देवीलाल सम्मान दिवस समारोह को लेकर अब जनसंपर्क अभियान तेज हो गया है। इसी कड़ी में डबवाली विधायक आदित्य देवीलाल ने रविवार को क्षेत्र के गांव कबलाणा, भदानी, ग्वालसन, खेड़ी होशदरपुर, कडौधा, और मुंडाहेडा सहित विभिन्न गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को समारोह में पहुंचने का न्योता दिया। विधायक आदित्य देवीलाल

ने कहा कि ताऊ देवीलाल ने हमेशा किसान, मजदूर, गरीब, कमरे और ग्रामीण समाज के हितों की आवाज उठाई। उन्होंने ग्रामीणों से 27 सितंबर को वृंह पहुंचकर सम्मान दिवस समारोह में भाग लेने का आह्वान किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष सतपाल पहलवान, कार्यालय सचिव पवन धनखड़, हलकाध्यक्ष सुनील कडौधा, सोनू बांगड़, धर्मवीर दरोगा, आनंद सिंह श्योराम, जिला प्रेस प्रवक्ता योगेश रैनी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

खूनी कुत्तों के खौफ के बीच डॉंग शेल्टर को लेकर विवाद

नगर निगम के टेंडर के बाद पहरावर में पंचायत, ग्रामीणों ने जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज़ ►► रोहतक

नगर निगम की ओर से पहरावर गांव में डॉंग शेल्टर बनाने के लिए टेंडर जारी किए जाने के बाद ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ गई है। रविवार को गांव में पंचायत आयोजित कर लोगों ने प्रस्तावित डॉंग शेल्टर का विरोध किया। पंचायत में पार्षद प्रवीण कौशिक समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। लोगों ने कहा कि गांव का बड़ा हिस्सा घनी आबादी वाला है। ऐसे स्थान पर बड़ी संख्या में कुत्तों को रखने से भविष्य में ग्रामीणों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। पार्षद प्रवीण कौशिक व ग्रामीणों का कहना है कि पहरावर में पहले से ही दो गौशालाएं संचालित हैं। इनमें 10 हजार से अधिक गाय रखी हुई हैं। गौशालाओं



के कारण क्षेत्र में पहले से ही बड़ी संख्या में पशुओं की आवाजाही रहती है। ऐसे में डॉंग शेल्टर शुरू होने के बाद कुत्तों की संख्या बढ़ने से गांव के माहौल पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि कुत्तों के भौंकने से ध्वनि प्रदूषण की समस्या पैदा हो सकती है और आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ सकती है। इस दौरान पंचायत में पार्षद बिजेंद्र सिंह, कुलदीप, राजेंद्र, सोनू, धर्मबीर, मनोज, सुमित, रामभगत समेत गांव के कई लोग मौजूद रहे।

पागल कुत्ते के बाहर निकलने की जताई आशंका

पंचायत में ग्रामीणों ने सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि यदि शेल्टर से कोई आकामक या रेबीज से संक्रमित कुत्ता बाहर निकल गया तो गांव में लोगों के लिए खतरा पैदा हो सकता है। गांव में बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं की आवाजाही रहती है। ऐसे में शेल्टर की सुरक्षा और कुत्तों को नियंत्रित रखने की व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों में चिंता है। ग्रामीणों ने स्पष्ट

किया कि वे गांव के अंदर डॉंग शेल्टर बनाए जाने के पक्ष में नहीं हैं। उनका कहना है कि निगम को ऐसी जगह का चयन करना चाहिए जहां आबादी कम हो और आसपास रहने वाले लोगों पर इसका सीधा प्रभाव न पड़े। पंचायत में लोगों ने इस मुद्दे पर एकजुट होकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई और कहा कि गांव की आबादी के बीच शेल्टर बनाने का निर्णय स्वीकार नहीं किया जाएगा।

पहले भी उठ चुका एक साथ 30 कुत्ते मरने का मामला

पंचायत के दौरान ग्रामीणों ने निगम की पिछली व्यवस्था का भी हवाला दिया। लोगों ने बताया कि इससे पहले आउटर सुनारियां बाइपास क्षेत्र में डॉंग शेल्टर बनाया गया था। वहां एक साथ करीब 30 कुत्तों की मौत का मामला सामने आया था। इस घटना के बाद संबंधित ठेके को रद्द किए जाने और एजेंसी को ब्लैकलिस्ट किए जाने की बात भी सामने आई थी। उस समय कुत्तों की मौत का मामला काफी चर्चा में रहा था। सुनारिया के आउटर में बने अस्थायी डॉंग शेल्टर में एक साथ 30 कुत्तों के मरने का मामला उठा था। सोशल मीडिया पर वीडियो की काफी जारी हुई। निगम की तरफ से एजेंसी भी ब्लैकलिस्ट की गई थी। उस पर मुकदमा भी चल रहा है। ऐसे में निगम अब अपना स्थाई डॉंग शेल्टर बनाने जा रहा था। लेकिन अब बीच में ग्रामीणों ने विरोध कर दिया है।

20 मिनट में सात लोगों को काटने वाला कुत्ता अब भी लापता

पुराना हाउसिंग बोर्ड में करीब 20 मिनट में सात लोगों को काटने वाला कुत्ता अब तक नहीं मिला है। शनिवार शाम कुत्ते ने सड़क से गुजर रही युवती पर अचानक हमला कर दिया था। युवती को उपचार के लिए पीजीआई ले जाया गया। घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, युवती को काटने के बाद कुत्ते ने आसपास की गलियों में कई लोगों को विशाणा बनाया। इसके बाद से कुत्ता लापता है। लोगों में दोबारा हमले की आशंका बनी हुई है। लोगों ने नगर निगम से टीम भेजकर कुत्ते की तलाश और क्षेत्र में आगार कुत्तों पर कार्रवाई की मांग की है।

स्वच्छता बनाए रखने के लिए किया जागरूक

झज्जर। सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा मेरा योगदान मॉड्यूल के अंतर्गत रविवार को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। ग्रामीण क्षेत्रों में चिन्हित स्वच्छता स्थलों तथा कचरा संवेदनशील स्थानों की विशेष रूप से साफ-सफाई कराई गई। सफाई टीमों ने इन स्थानों से कचरा हटाकर आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ बनाया। अभियान में हजारों ग्रामीणों ने सहभागिता करते हुए अपने घर, गली-मोहल्ले और सार्वजनिक स्थानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया तथा अन्य लोगों को भी स्वच्छता के प्रति प्रेरित किया।



झज्जर। सेवा मेरा योगदान संकल्प के साथ सफाई अभियान चलाते हुए टीम।

खरीद सीजन को लेकर तैयारियां पूरी, किसानों को नहीं होगी परेशानी

हरिभूमि न्यूज़ ►► झज्जर

आगामी खरीद सीजन को लेकर मार्केट कमेटी द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध पूरे कर लिए गए हैं। किसानों की सुविधा और पारदर्शी खरीद प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए मंडी पूरी तरह से तैयार है। मार्केट कमेटी सचिव दीपक



के बदलाव को ध्यान में रखते हुए तिरपाल आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें कि आगामी एक अक्टूबर से अनाजमंडी में बाजरे

की खरीद की जाएगी। मंडी में आने वाले धान को जहां प्राइवेट स्तर पर आदितियों द्वारा खरीदा जाएगा वहीं बाजरे की खरीद सरकार द्वारा की जाएगी। उन्होंने बताया कि किसानों की फसल के निष्पक्ष और सही तौर के लिए मंडी परिसर स्थित धर्मकांटे को पूरी तरह दुरुस्त कर दिया गया है, यह खरीद सीजन के दौरान सुचारु रहेगा ताकि वाहनों के वजन और अनाज के तौल में किसानों को किसी तरह की दिक्कत या देरी न हो।

Publication

In the Court of Assistant Collector, 1st Grade, Bahadurgarh

Vikram etc. Versus Ram Chander etc.

Date of hearing: 21.10.2026

To, 1. Ramchander S/o Lyoram S/o Jai Lal 2. Smt. Birmati D/o Lyoram S/o Jai Lal 3. Smt. Sewa @Sona D/o Lyoram S/o Jai Lal 4. Smt. Savitri D/o Lyoram S/o Jai Lal 5. Smt. Sada Kaur D/o Jai Lal S/o Balram 6. Joginder S/o Parhlad Singh S/o Lyoram 7. Surender S/o Karan Singh S/o Jai Lal 8. Satbir S/o Karan Singh S/o Jai Lal 9. Ishwanti W/o Parhlad Singh S/o Lyoram 10. Smt. Parmila D/o Parhlad Singh S/o Lyoram 11. Smt. Sonia D/o Parhlad Singh S/o Lyoram 12. Smt. Monika D/o Parhlad Singh S/o Lyoram 13. Karambir S/o Ram Chander 14. Sunil S/o Ram Chander All R/o Village Mandolhi, Tehsil Bahadurgarh, Distt. Jhajjar & Biswedar of Village Sadpur, Tehsil Bahadurgarh, Distt. Jhajjar.

Whereas in the above noted case it has been proved to the satisfaction of this court that above named respondents are avoiding service of summons and cannot be served in the ordinary manner, therefore this publication is issued against the respondents name above to appear before this court on 21.10.2026 personally or through their counsel or failing which ex parte proceedings shall be taken against them.

Given under my hand and the seal of the court.

Sd/ AC 1st Grade Bahadurgarh

भगवान महावीर का अभिषेक एवं आरती की सदा सच्चाई के रास्ते पर चलने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

जैन समाज के चल रहे दशलक्षण पर्व के पांचवें दिन उत्तम सत्य धर्म के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर भगवान महावीर का अभिषेक एवं आरती की गई। दशलक्षण पर्व के दौरान जटवाड़ा मोहल्ला, अग्रवाल कॉलोनी व संत कॉलोनी के जैन मंदिरों के साथ ही पांडुशिला पर अनेक आयोजन हो रहे हैं। रविवार प्रातः विशेष रूप से दशलक्षण पर्व पूजा की गई। पांडुशिला के प्रधान सुनील जैन ने कहा कि दशलक्षण पर्व का पांचवां दिन उत्तम सत्य धर्म का दिन है, सत्य



बहादुरगढ़। पांडुशिला पर रविवार को पूजा करते जैन धर्मावलंबी।

फोटो: हरिभूमि

खबर संक्षेप

नए श्रम कोड के खिलाफ मजदूर समा मुखर

झज्जर। रविवार को हिंद मजदूर सभा द्वारा बेरी गेट स्थित एक बैकवट हॉल में मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में एनसीआर क्षेत्र की विभिन्न कर्मचारी यूनियनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। मीटिंग में मुख्यातिथि के रूप में सभा के राष्ट्रीय महासचिव हरभजन सिंह सिद्ध ने यूनियन पदाधिकारियों व कर्मचारियों के समक्ष विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि ये नए श्रम कोड कर्मचारी विरोधी है। वे सरकार से चारों लेबर कोड को रद्द किए जाने की मांग करते हैं। यदि लेबर कोड रद्द नहीं किए गए तो आंदोलन को मजबूर होंगे। इसके लिए वे दिल्ली के जंतर-मंतर जाकर भी धरना प्रदर्शन करेंगे।

मतदाता सूची अपडेट की 30 सितंबर अंतिम तिथि

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर अभियान के तहत मतदाता सूची को शुद्ध एवं अधूरा बनाने का कार्य जारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो तथा अपात्र नामों को हटाने और आवश्यक संशोधनों की प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा में पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि नया वोट बनवाने के लिए फॉर्म छह भरकर आवेदन करें और 30 सितंबर की अंतिम तिथि का इंतजार न करें।

पैरामिलिट्री कल्याण बोर्ड गठन से उम्मीदें बढ़ीं

बहादुरगढ़। अर्लॉइस ऑफ ऑल एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव रणबीर सिंह ने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा अर्धसैनिक कल्याण बोर्ड के गठन को लेकर नोटिफिकेशन करने का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि अपनी जायज मांगों को लेकर पूर्व एडीसी एचआर सिंह के नेतृत्व में 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा नई संसद भवन में राहुल गांधी से मुलाकात कर तेलंगाना, कर्नाटक व हिमाचल प्रदेश में पैरामिलिट्री जवानों व उनके परिवारों के कल्याण पैंशन पुनर्वास के लिए अर्धसैनिक कल्याण बोर्डों का गठन करने की मांग की गई थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्दी ही कर्नाटक व तेलंगाना में भी अर्धसैनिक कल्याण बोर्डों का गठन होगा।

विधायक ने दिया 51 हजार का सहयोग

बहादुरगढ़। शहर की ओमेक्स सिटी में श्री राम वरिष्ठ सारथी केंद्र का शुभारंभ किया गया। साथ ही दुर्गा मां के नौ स्वरूपों, भगवान विष्णु के दशावतार, सप्तऋषियों तथा सनातन धर्म के पंच देव की मूर्तियों की स्थापना की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिरकत करते हुए विधायक राजेश जुन ने पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने अपनी नेक कमाई से 51 हजार रुपये की धनराशि आयोजकों को सेवा कार्यों के लिए दान स्वरूप भेंट की। उन्होंने कहा कि धार्मिक आस्था के साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए सेवा केंद्र की शुरुआत करना सराहनीय प्रयास है।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को खबर मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य खबर दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

बहादुरगढ़ :- सुरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, नजदीक टेक्सटी स्टैंड, बहादुरगढ़

झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर

फोन :- 829545800, 8295738500, 8614993142, 8295457800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 × 8 से.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	₹. 2500/-
10 × 8 से.मी		₹. 3000/-

+5% GST Extra

नोट :- विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए काई रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

झज्जर :- हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन :- 8295876400

बहादुरगढ़ :- सुरजमल वाली गली, रोहताक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

गुरुग्राम और पंचकूला में उत्साह के साथ दौड़े बीआरजी के रनर तीन किलोमीटर दौड़ में 100 धावकों में से धर्मवीर रहे प्रथम



बहादुरगढ़। गुरुग्राम में दौड़ने व जीतने वाले बीआरजी के धावक।

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

गुरुग्राम में आयोजित हार्वेस्ट गोल्ड ग्लोबल रेस में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के लगभग 100 धावकों ने भाग लेते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया। वहीं पंचकूला हाफ मैराथन में बीआरजी के गुलाब सिंह ने 21.1 किलोमीटर में ओवरऑल फर्स्ट रनर-अप रहते हुए अपनी आयु वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। राजपाल ने 10 किलोमीटर रन सफलतापूर्वक पूरी कर पंचकूला में भी बहादुरगढ़ का परचम लहराया।

बीआरजी संस्थापक दीपक छिल्लर और डॉ. किरण छिल्लर को एंबेसडर के रूप में आमंत्रित किया गया था। इवेंट में 5 किलोमीटर दौड़ में सन्नी ने ओवरऑल तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं 3

किलोमीटर पुरुष वर्ग में बीआरजी के धर्मवीर सेन ने ओवरऑल प्रथम, धर्मवीर सेनी ने ओवरऑल द्वितीय और रोहताश सेनी ने ओवरऑल तृतीय स्थान हासिल किया। महिला वर्ग में संजू सेनी ने ओवरऑल प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं 10 किलोमीटर 50 प्लस आयुवर्ग में ललिता पांडे ने प्रथम और 40 प्लस वर्ग में सारिका यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कर्नल बधवार ने तृतीय स्थान और ब्रह्मप्रकाश मान ने 10 किलोमीटर 50 प्लस में चौथा स्थान हासिल किया। जबकि 5 किलोमीटर 13 प्लस आयु वर्ग में अभिमन्यु हुड्डा ने दूसरा स्थान, जीत ने 10 प्लस वर्ग में प्रथम स्थान, चंदन कुमार ने 35 प्लस वर्ग में तृतीय स्थान और राजेश कुमार ने 50 प्लस वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

फर्स्ट ब्लास्ट फाइट में झज्जर के प्रियांशु व सागर ने जीते पुरस्कार



झज्जर। जीती गई प्रोत्साहन राशि का चेक दिखाते हुए बॉक्सिंग कोच हितेश देशवाल।

हरिभूमि न्यूज़ ►► झज्जर

फर्स्ट ब्लास्ट फाइट में जिले के दो होनहार राशि से सम्मानित किया गया। खिलाड़ी सागर जाखड़ ने 60 किलोग्राम भार वर्ग में खेलते हुए अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज जतिन कुंडू को कई मुकाबले में 5-0 से शिकस्त दी। कार्यक्रम में भारतीय मुक्केबाजी संघ के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में देशभर के मुक्केबाजों ने भाग लिया। बॉक्सिंग कोच हितेश देशवाल ने बताया कि महर्षि दयानंद स्टेडियम में प्रशिक्षित अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज प्रियांशु डबास ने 55 किलोग्राम भार वर्ग में सोनीपत के विशेष को 5-0 से

हराकर फर्स्ट ब्लास्ट फाइट की बेल्ट अपने नाम की। उन्हें 31 हजार रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। खिलाड़ी सागर जाखड़ ने 60 किलोग्राम भार वर्ग में खेलते हुए अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज जतिन कुंडू को कई मुकाबले में 5-0 से शिकस्त दी। कार्यक्रम में भारतीय मुक्केबाजी संघ के प्रधान अजय सिंह, हरियाणा बॉक्सिंग संघ के प्रधान मेजर सत्यपाल सिंधु, महासचिव ओमवीर हुड्डा, संजीव कुमार, जय बालाजी अकादमी के संचालक नवीन हुड्डा और विनेश लाकड़ा सहित निर्णायक मंडल के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बहादुरगढ़ से बेरी तक निकाली निशान यात्रा

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

मां भगवती युवा मित्र मंडल द्वारा आगामी 23 अक्टूबर को विशाल मां भगवती जागरण का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की तैयारियों की शुरुआत के तहत रविवार को बहादुरगढ़ से बेरी तक एक विशाल निशान यात्रा निकाली गई। मां भगवती के विशाल जागरण का पहला निमंत्रण खाटू श्याम जी की कुलदेवी माता भोमेश्वरी देवी के चरणों में अर्पित करने के लिए रविवार को यह यात्रा निकाली गई। निशान यात्रा के माध्यम से भक्त न केवल मां के दरबार में पहला निमंत्रण पत्र सौंपा, बल्कि बेरी मंदिर से अखंड ज्योति भी साथ लेकर बहादुरगढ़ लौटे। यही पावन ज्योति 23



बहादुरगढ़। बेरी की ओर प्रस्थान करती माता की सवारी।



बहादुरगढ़। बेरी की ओर प्रस्थान करती माता की सवारी।

अक्टूबर को आयोजित होने वाले जागरण का मुख्य केंद्र रहेगी। बेरी धाम से लौटने के बाद मंडल के सदस्यों द्वारा जागरण को लेकर

आगामी रणनीतियों और व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की जाएगी। श्रद्धालुओं का कहना है कि किसी भी शुभ कार्य से पहले

शामली में जसबीर का सम्मान

बहादुरगढ़। उत्तर प्रदेश के शामली में सैनी समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा सैनी सभा के अध्यक्ष जसबीर सैनी को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर यूपी के राज्य मंत्री जसवंत सैनी व राष्ट्रीय सैनी सभा के अध्यक्ष नरेश सैनी द्वारा जसबीर सैनी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सैनी समाज के प्रतिभावान बच्चों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक विक्रम सैनी, डॉ नीरज सैनी, महेश सैनी, जयभगवान सैनी, प्रवीण सैनी, राजपाल सैनी, पुनीत, राजू सैनी व सुभाष आदि मौजूद रहे।



बहादुरगढ़। जसबीर सैनी को सम्मानित करते आयोजक।

नई पीढ़ी को संस्कृति और संस्कारों से जोड़ेगा धाम : अरविंद शर्मा

हरिभूमि न्यूज़ ►► झज्जर

दादा सारंग देव चौबीसा धाम क्षेत्र की आस्था के साथ सामाजिक एकता और भाईचारे का प्रमुख केंद्र है। धाम का नवनिर्माण इस विरासत को और मजबूती देगा तथा नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने का माध्यम बनेगा। यह बात कैबिनेट मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा ने धाम परिसर में पूजा अर्चना करते हुए कही। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सामाजिक स्थलों के विकास में सरकार के साथ समाज की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। सामूहिक प्रयासों से ही ऐसे केंद्रों को आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर स्वरूप दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दादा सारंग देव चौबीसा धाम जैसे धार्मिक स्थल केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं हैं। ये समाज को एक मंच पर लाने, पुरानी परंपराओं को संरक्षित करने और नई पीढ़ी तक संस्कार पहुंचाने का काम भी करते हैं। धाम परिसर में वैदिक



झज्जर। दादा सारंग देव चौबीसा धाम में पूजा अर्चना करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा।

मंत्रोच्चारण के बीच हवन और भूमि पूजन किया गया। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कैबिनेट मंत्री ने धाम के निर्माण में सहयोग के लिए अपने कोटे से 51 लाख रुपये देने की घोषणा भी की।

1545 में से 55 मतदाताओं ने किया मतदान, 23 सितंबर को होगी मतगणना

नेहरू कॉलेज में शांतिपूर्ण हुआ सीनेट फेलोज चुनाव मतदान

हरिभूमि न्यूज़ ►► झज्जर

राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सीनेट फेलोज के चुनाव के लिए शांतिपूर्ण ढंग से मतदान संपन्न हुआ। कॉलेज में बनाए गए मतदान केंद्र पर पंजाब विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि प्राप्त करने वाले पंजीकृत मतदाताओं ने अपने मतार्थिकार का प्रयोग किया। पीठासीन अधिकारी डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि नेहरू कॉलेज में आवंटित कुल 1545 मतों में से 55 मतदाताओं ने अपने मतार्थिकार का प्रयोग किया। मतदान अधिकारी हरप्रीत सिंह, नवीन बिष्ट और प्रीतपाल ने मतदान प्रक्रिया के संचालन तथा अन्य चुनावी दायित्वों के निर्वहन में सहयोग किया। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से सीनेट फेलोज के चुनाव में कुल 51 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।



झज्जर। मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के बाद आवश्यक कागजी कार्यवाही पूरी करते हुए चुनाव अधिकारी।

स्नातक सीटों से कुल 15 उम्मीदवार निर्वाचित होंगे

मतदान प्रेफरेंशियल वोटिंग प्रणाली के आधार पर हुआ, जिसके तहत मतदाताओं ने अपनी पसंद के उम्मीदवारों को प्राथमिकता क्रम में वोट दिया। चुनाव परिणाम के आधार पर स्नातक सीटों से कुल 15 उम्मीदवार निर्वाचित होंगे। वोटों की गिनती 23 सितंबर को होगी। बता दें कि पंजाब विश्वविद्यालय सीनेट विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण वैधानिक संस्थाओं में से एक है। सीनेट फेलोज के चुनाव के माध्यम से निर्वाचित प्रतिनिधि विश्वविद्यालय की विभिन्न अकादमिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों से जुड़े विषयों में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं।